Historical School of Jurisprudence

Jurist Name	Teachings / Contribution in Jurisprudence
Friedrich Carl von Savigny	Founder of the Historical School. He propounded the **Volksgeist theory**, stating that law grows with the life of the people and is an expression of the **common consciousness of the nation**, not the result of arbitrary legislation.
Sir Henry Maine	Explained the **historical development of law** through his theory of **"Status to Contract"**, showing how societies evolved from rigid social status to free contractual relations.
Gustav Hugo	Considered law as a product of **historical development and social practices**. He opposed natural law and emphasized that law develops through **custom and tradition**.
Georg Friedrich Puchta	Developed Savigny's ideas further. He emphasized the **systematic growth of law** through customs and judicial decisions reflecting national spirit.
Edmund Burke	Highlighted the importance of **tradition, custom, and historical continuity** in law. He opposed abstract theories and supported gradual legal development.
Montesquieu	Stressed that law must be understood in relation to **history, culture, climate, and social conditions** of a country. He influenced the historical method of legal study.

Sociological School of Jurisprudence (English)

Jurist Name	Teachings / Contribution
Auguste Comte	Considered the father of sociology. He emphasized that law must be studied as a **social phenomenon**.
Rudolf von Ihering	Propounded the theory of **"Law as a means to social ends"**. Law exists to serve social purposes, not abstract logic.
Leon Duguit	Developed the theory of **Social Solidarity**. Law is based on social interdependence, not on state sovereignty.
Eugen Ehrlich	Introduced the concept of **"Living Law"**, stating that real law lives in society, not merely in statutes or courts.
Roscoe Pound	Gave the theory of **Social Engineering**, defining law as a tool to balance competing social interests.

Economical School of Jurisprudence

(Also known as Economic / Marxist School)

Jurisprudence table for test paper

Jurist / Thinker	Teachings / Contribution in Jurisprudence
Karl Marx	Law is a product of the **economic structure of society**. It serves the interests of the **dominant economic class** and reflects class relations.
Friedrich Engels	Supported Marx's views. He emphasized that law is an instrument of **class domination** arising from economic conditions.
V. I. Lenin	Considered law as a **temporary instrument** in a socialist state, which would disappear in a **classless society**.
Evgeny Pashukanis	Propounded the **Commodity Exchange Theory of Law**, linking law to capitalist market relations and economic exchange.
Antonio Gramsci	Viewed law as a tool of **hegemony**, through which the ruling class maintains control by consent rather than force.

Core Idea (One-line for exams)

According to the Economical School, law is not independent but is determined by the economic forces and class structure of society.

सामाजिक विधि संप्रदाय (Sociological School of Jurisprudence – **हिंदी**)

विधिवेत्ता (Jurist)	**शिक्षाएँ / योगदान**
ऑगस्ट कॉम्ट (Auguste Comte)	समाजशास्त्र के जनक। कानून को एक **सामाजिक तथ्य** के रूप में अध्ययन करने पर बल दिया।
रूडोल्फ वॉन आयहरिंग (Ihering)	"**सामाजिक उद्देश्यों के लिए कानून**" सिद्धांत दिया। कानून का उद्देश्य समाज की आवश्यकताओं की पूर्ति है।
लियोन ड्यूगी (Leon Duguit)	**सामाजिक एकजुटता** (Social Solidarity) का सिद्धांत दिया। राज्य की संप्रभुता के बजाय सामाजिक परस्पर निर्भरता पर बल।
यूजेन एरलिच (Eugen Ehrlich)	"**जीवित कानून** (Living Law)" की अवधारणा दी—वास्तविक कानून समाज में रहता है, न कि केवल पुस्तकों में।
रोस्को पाउंड (Roscoe Pound)	**सामाजिक इंजीनियरिंग** सिद्धांत दिया। कानून को सामाजिक हितों के संतुलन का साधन माना।

ऐतिहासिक विधि संप्रदाय (Historical School of Jurisprudence)

विधिवेत्ता (Jurist)	**ज्यूरिस्प्रूडेंस में शिक्षाएँ / योगदान**
फ्रेडरिक कार्ल वॉन सैविग्नी (Savigny)	ऐतिहासिक संप्रदाय के जनक। उन्होंने Volksgeist **सिद्धांत** दिया, जिसके अनुसार कानून जनता की **सामूहिक चेतना** से विकसित होता है, न कि विधायिका की मनमानी से।
सर हेनरी मेन (Sir Henry Maine)	उन्होंने कानून के ऐतिहासिक विकास को "Status **से** Contract" सिद्धांत द्वारा समझाया, जिसमें समाज की प्रगति को दिखाया गया है।

विधिवेत्ता (Jurist)	**ज्यूरिस्प्रूडेंस में शिक्षाएँ / योगदान**
गुस्ताव ह्यूगो (Gustav Hugo)	कानून को **इतिहास, प्रथा और सामाजिक परंपराओं** का परिणाम माना। प्राकृतिक विधि का विरोध किया।
जॉर्ज फ्रेडरिक पुख्ता (Puchta)	सैविग्नी के सिद्धांतों का विस्तार किया। कानून के **व्यवस्थित एवं क्रमिक विकास** पर बल दिया।
एडमंड बर्क (Edmund Burke)	कानून में **परंपरा, रीति-रिवाज और ऐतिहासिक निरंतरता** के महत्व पर जोर दिया।
मॉन्टेस्क्यू (Montesquieu)	कानून को **इतिहास, संस्कृति, जलवायु और सामाजिक परिस्थितियों** से जोड़कर समझने पर बल दिया।

सामाजिक विधि संप्रदाय (Sociological School of Jurisprudence)

विधिवेत्ता (Jurist)	**ज्यूरिस्प्रूडेंस में शिक्षाएँ / योगदान**
ऑगस्ट कॉम्ट (Auguste Comte)	समाजशास्त्र के जनक। कानून को एक **सामाजिक तथ्य** मानकर उसके वैज्ञानिक अध्ययन पर बल दिया।
रूडोल्फ वॉन आयहरिंग (Rudolf von Ihering)	**"सामाजिक उद्देश्यों के लिए कानून"** का सिद्धांत दिया। कानून का उद्देश्य समाज के हितों की रक्षा करना है।
लियोन ड्यूगी (Leon Duguit)	**सामाजिक एकजुटता** (Social Solidarity) का सिद्धांत दिया। राज्य की संप्रभुता के बजाय सामाजिक परस्पर-निर्भरता पर बल।
यूजेन एरलिच (Eugen Ehrlich)	**"जीवित कानून** (Living Law)" की अवधारणा दी—वास्तविक कानून समाज में व्यवहार के रूप में विद्यमान रहता है।

विधिवेत्ता (Jurist)	**ज्यूरिस्प्रूडेंस में शिक्षाएँ / योगदान**
रोस्को पाउंड (Roscoe Pound)	**सामाजिक इंजीनियरिंग** का सिद्धांत दिया। कानून को प्रतिस्पर्धी सामाजिक हितों के संतुलन का साधन माना।

आर्थिक विधि संप्रदाय

(Economical / Economic / Marxist School of Jurisprudence)

विधिवेत्ता (Thinker)	**ज्यूरिस्प्रूडेंस में शिक्षाएँ / योगदान**
कार्ल मार्क्स (Karl Marx)	कानून को **आर्थिक संरचना** का परिणाम माना। कानून शासक वर्ग के हितों की रक्षा करता है और उत्पादन के साधनों से नियंत्रित होता है।
फ्रेडरिक एंगेल्स (Friedrich Engels)	मार्क्स के सिद्धांतों का समर्थन किया। कानून को **वर्ग-संघर्ष** का उपकरण माना।
व्लादिमीर लेनिन (V. I. Lenin)	समाजवादी राज्य में कानून को **संक्रमणकालीन साधन** माना जो वर्गविहीन समाज बनने पर समाप्त हो जाएगा।
एवगेनी पाशुकानिस (Evgeny Pashukanis)	**Commodity Exchange Theory of Law** दी। कानून को वस्तु-विनिमय और पूँजीवादी अर्थव्यवस्था से जोड़ा।
एंटोनियो ग्राम्शी (Antonio Gramsci)	कानून को **सांस्कृतिक वर्चस्व** (Hegemony) का साधन माना, जिससे शासक वर्ग सहमति के माध्यम से शासन करता है।

आर्थिक संप्रदाय का मूल सिद्धांत (One-liner for exam)

कानून समाज की आर्थिक व्यवस्था का प्रतिबिंब है और यह स्वतंत्र नहीं बल्कि आर्थिक शक्तियों से संचालित होता है।